पाठ - 5
प्रलय का दिन

الدرس اخامس - هندي
قيام الساعة

क़ियामत बुरे लोगों पर बरपा होगी। उसकी कैफ़ियत यह होगी कि अल्लाह तआला क़ियामत से पहले पाकीज़ा हवा भेजेगा जो मोमिनों की रूहों को क़ब्ज़ कर लेगी। जब अल्लाह तआला मख़लूक़ात को मौत से दो चार और दुनिया को समाप्त करना चाहेगा तो फ़रिषतों को सूर (बड़ा शेंपू) फूंकने का आदेश देगा जिसे सूनकर लोग बेहोश हो जायेंगे। अल्लाह तआला इर्शाद फ़रमाता हैः

यानी, "और सूर फूंक दिया जायेगा। पस आसमानों और ज़मीन वाले सब बेहोश होकर गिर पड़ेंगे मगर जिसे अल्लाह चाहे। (सूरह अल ज़ुमर आयत 68) जिस दिन क़ियामत बरपा होगी वह जुमा का दिन होगा। उसके बाद सभी फ़रिषतों को मौत आ जायेगी और केवल अल्लाह की ज़ात बाक़ी रह जायेगी।

पीठ के नीचे की हड्डी के सिवा पूरा मानवीय अस्तित्व समाप्त हो जायेगा और उसे मिट्टी खा जायेगी। अलबत्ता नबियों के शरीर को मिट्टी नहीं खाती है। फिर अल्लाह तआला आसमान से पानी बरसायेगा, जिस से इंसान के शरीर दोबारा उग आयेंगे। जब अल्लाह लोगों को दोबारा जिन्दा करना चाहेगा तो सूर फूंकने के ज़िम्मेदार फ़रिषते इसराफ़ील अलैहिस्सलाम को पहले ज़िन्दा करेगा। अतएव वे दूसरी बार सूर फुकेंगे तो अल्लाह तआला तमाम मख़लूक़ को ज़िन्दा कर देगा और लोग अपनी क़ब्रों से उसी तरह नंगे पांव नंगे शरीर और नंगे मादरज़ाद अवस्था में निकलेंगे जिस तरह से अल्लाह तआला ने उन्हें पहली बार पैदा किया था। अल्लाह तआला इर्शाद फ़रमाता हैः

यानी, "और सूर फूंका जायेगा तो लोग अपनी क़ब्रों से निकल कर अपने रब की बारगाह की तरफ़ दौड़ पड़ेंगे। (सूरह यासीन आयत 51) एक दूसरी जगह अल्लाह तआला फ़रमाता हैः

यानी, "जिस दिन ये क़ब्रों से दौड़ते हुए निकलेंगे, मानो कि वह किसी जगह की ओर दौड़.दौड़ कर जा रहे हैं। उनकी आंखें झुकी हुई होंगी। उनपर ज़िल्लत छा रही होगी। यह है वह दिन जिसका उनसे वादा किया जाता था।

उस दिन सबसे पहले क़ब्र से नबी अकरम मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम निकलेंगे। उसके बाद लोगों को मैदाने महशर जो बहूत ही लंबा चौड़ा मैदान होगा, ले जाया जायेगा। काफ़िरों को औंधे मुंह जमा किया जायेगा। अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम से पूछा गयाः "काफ़िर को उसके चेहरे के बल किस तरह से जमा किया जायेगा? आपने फ़रमायाः

जिस ज़ात ने दुनिया में उसे पैरों पर चलाया क्या वह इस बात का सामर्थ्य नहीं रखता कि वह क़ियामत के दिन चेहरे के बल चलाए। (सही मुस्लिम 2806) अल्लाह के ज़िक्र क़ुरआन पाक से बचने वालों को नाबीना अंधा बनाकर मैदान महशर में इकट्ठा किया जायेगा। सूरज उनके नज़दीक आ जायेगा। लोग अपने आमाल के अनुपात में पसीने में शराबोर होंगे। किसी के टखनों तक पसीना होगा, किसी की कमर तक पसीना होगा। किसी के मुंह तक पसीना होगा और ऐसा उनके आमाल के हिसाब से होगा।

वहां कुछ लोग ऐसे होंगे जिन्हें अल्लाह तआला अपने साये तले जगह देगा जिसके साये के सिवा कोई दूसरा साया नहीं होगा। अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने इर्शाद फ़रमायाः

सात तरह के लोग ऐसे होंगे जिन्हें अल्लाह तआला अपने साया तले उस दिन जगह देगा जिस दिन उसके साये के सिवा कोई दूसरा साया नहीं होगा। न्याय प्रिय बादशाह, नवजवान जिसका लालन पालन अल्लाह की इबादत में हुआ हो, वह आदमी जिसका दिल मस्जिदों में लटका रहता है, वे लोग जो अल्लाह की राह में दोस्ती करते हैं, उसी के लिए जमा होते हैं, उसी के लिए जुदा होते हैं। ऐसा व्यक्ति जिसे किसी सून्दर महिला ने बदकारी के लिए बुलाया हो, मगर उसने कह दिया हो कि मैं अल्लाह से डरता हूं। ऐसा व्यक्ति जिसने छुपाकर सदक़ा किया हो, यहां तक कि उसके बायें हाथ को भी मालूम न हो कि उसके दाहिने हाथ ने क्या खर्च किया। और ऐसा व्यक्ति जो तनहाई में अल्लाह तआला को याद करता हो तो उसकी आँखें भर आती हों। (सही बुख़ारी 1423, सही मुस्लिम 1031)

यह केवल मर्दों के लिए ख़ास नहीं है बल्कि महिलाओं के आमाल का भी हिसाब किताब होगा। यदि उसने बेहतर कर्म किया होगा तो उसके साथ बेहतरी का मामला होगा और यदि बुरा कर्म किया होगा तो उसके साथ बुरा मामला होगा। औरत को भी मर्द की तरह ही सवाब और बदला नसीब होगा। मुसलमान नबी अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के हौज़ पर जायेंगे और उससे पानी पीयेंगे। (हौज़ एक बहुत बड़ी नेमत है जिसे अल्लाह ख़ासतौर पर नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को अता करेगा। उसका पानी दूध से ज़्यादा सफ़ेद, शहद से ज़्यादा मीठा, उसकी खुशबू मुष्क से ज़्यादा पाकीज़ा और उसमें मौजूद बर्तन सितारों की संख्या में होंगे। इससे जो एक बार पी लेगा, वह कभी प्यासा नहीं रहेगा।)